Edit with WPS Office

St. Lawrence High School

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

Hindi Study Material (05)

Class- 11 पाठ - सूरदास के पद (भाग ३)

Date: 01/07/2020

शब्दर्थ

दाऊ- बड़ा भाई (बलराम)।
रिस- क्रोध।
स्यामल- साँवला।
रीझै- प्रसन्न होती है।
जनमत- जन्म से ही।
धूत- धूर्त।
गोधन- गाय रूपी धन।
छींके- सिकहर।
भाजन- बर्तन।
सांटि- पतली छड़ी।
बिरंचि- ब्रह्मा।
झंखति- दुःखी।
ठाढ़े- खड़े- खड़े।
थावर- स्थिर रहने वाले।
चितवनि- देखने का मनमोहक ढंग।
दवानल- वन में स्वत: लगी हुई आग।

लघु उत्तर

१) "मैया मोहिं दाऊ बहुत खिझायो। "
क) प्रस्तुत पंक्ति किस पद से उद्धृत है?
ख) प्रस्तुत पंक्ति में वक्ता एवं श्रोता कौन है?
उ: क) वात्सल्य के पद।
ख) प्रस्तुत पंक्ति में वक्ता श्री कृष्ण एवं श्रोता मैया यशोदा है।

२) "गोरे नंद जसोदा गोरी तू कत स्यामल गात।"
क) प्रस्तुत पंक्ति के रचयिता कौन है?
ख) उद्धृत अंश में किस भाव को उजागर किया जा रहा है?
उ: क) प्रस्तुत पंक्ति के रचयिता सूरदास है
ख) उद्धृत अंश में 'वात्सल्य के भाव' को उजागर किया जा रहा है

३) "ख्याल परै ये सखा सबै मिलि मेरैं मुख लपटायो।।"
क) प्रस्तुत पंक्ति में श्रीकृष्ण ने किस वस्तु की ओर इंगित किया है?
ख) प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिये।
उ: क) प्रस्तुत पंक्ति में श्रीकृष्ण ने 'माखन' की ओर इंगित किया है।
ख) प्रस्तुत पंक्ति में श्री कृष्ण अपनी मैया यशोदा के क्रोध से बचने हेतु अपनी गलती को अपनी सखाओं पर डालते हुए कहते हैं कि मैया मेरे मुंह पर लगे माखन तो सखाओं द्वारा लगाए गए है। वे सब मिलकर ही मेरे मुंह पर माखन लगा दिया है।

४) "बाल- बिनोद मोद मन मोह्यो भक्ति प्रताप दिखायो।"
क) प्रस्तुत पंक्ति किस पाठ से उद्धृत है?
ख) 'वात्सल्य में भक्ति प्रताप' से क्या आशय है?
उ: क) प्रस्तुत पंक्ति वात्सल्य के पद से उद्धृत है।
ख) वात्सल्य के पद में श्री कृष्ण जिस प्रकार अपने क्रियाकलापों से माता यशोदा को अपने पुत्र होने का स्वरूप दर्शा कर आनंद प्रदान करते है, वहीं वात्सल्य, बालपन की नटखट माता यशोदा अपनी भक्ति, समर्पण भक्ति से प्राप्त करती है। बाल लीला के

Edit with WPS Office
माध्यम से सुख प्रदान करना ही वात्सल्य प्रेम की मूल धारणा है और उस प्रेम को श्री कृष्ण माता यशोदा को प्रदान कर अपने भक्ति के प्रताप को दर्शाया है।

५) 'ऊधौं मन नही हाथ हमारै। '
क) प्रस्तुत पंक्ति के कवि कौन है?
ख) गोपियों का मन किसके पास है?
उ: क) प्रस्तुत पंक्ति के कवि का नाम सूरदास है।
ख) गोपियों का मन श्री कृष्ण के पास है।

६) "नातरु कहा जोग हम छाँड़हि अति रूचि के तुम ल्याए।"
क) कविता का नाम लिखिए।
ख) इस अंश में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।
उ: क) कविता का नाम 'भ्रमरगीत' है।
ख) प्रस्तुत अंश में गोपियाँ उद्धव से व्यंग में कहती है कि अगर उनका मन उनके मनोहर श्री कृष्ण के पास से पुन: उन्हें प्राप्त हो जाए तो वह उद्धव द्वारा लाए गए निराकार ब्रह्म की उपासना को अनायास ही मान लेंगी। अर्थात जो भक्त सगुण भक्ति में लीन अपने इष्ट देव के मिलन हेतु प्रतिक्षित हैं, उनके लिए निर्गुण निराकार ब्रह्म की उपासना करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।

७) "मधुबन तुम कत रहत हरे।"
क) प्रस्तुत पंक्ति में मधुबन पर कौन आरोप लगा रही हैं?
ख) प्रस्तुत पंक्ति के प्रसंग पर अपना तर्क रखें।
उ: क) प्रस्तुत पंक्ति में मधुबन पर गोपियाँ आरोप लगा रही हैं।
ख) प्रस्तुत पंक्ति में गोपियां श्री कृष्ण के विरह वेदना से अत्यंत पीड़ित है। जहां उनका ह्रदय वेदना के कारण त्रासदी से घिरा हुआ है, उनके हृदय में प्रफुल्ल होने की कोई इच्छा नहीं है वही मधुबन हर रोज पल्लवित होते हुए हरियाली को ग्रहण कर रहा है। जिससे गोपियों क्रोधित हो रही है।

Teacher's Name - Riya Saha